الفصل الخامس

الخاتمة

أ. التنائج

قد أن عرضت الباحثة البيانات و التحليلات في الفصول السابقة و صلت إلى النتائج التالية :

| المعنى | الآية | الكلمة |
|--------------------------|-------|---------|
| ل الكلمة | في أو | |
| كثيرة | 11 | عَدَدَ |
| عونا وزيادة | 1.9 | مَدَدَ |
| كلمة الإستفهام | 19 | گۂ |
| حرف النواصب | ٤٢ | ્ર્ |
| من مطلع الشمس إلى غروبما | 19 | يَوْمِ |
| فرقة أو بشر أو خلق | ٩, | قَوْمٍ |
| فِعْلاً مَقْصُوداً | ٣. | عَمَلًا |
| رجاء | ٤٦ | أَمْلاً |

| بَديلاً وعِوَضاً | ٥٠ | بَدَلًا |
|----------------------------------|-------|---------|
| خصومة بالباطل | 0 \$ | جَدَلًا |
| كلمة الحرف بالسكون | ٥٨ | بَلْ |
| كلمة الإستفهام | 77 | هَل |
| أرهقه إياه | ٧٣ | ئىشرا |
| سهلا ميسرا غير شاق | ٨٨ | يُسْرَا |
| ط الكلمة | في وس | |
| أجزاء الجنة | ۲ | ٲ۫ڿ۠ۯ |
| الوصايا | 79 | أُمْرَ |
| بلا انقطاع | y , | أُبَدَ |
| غاية بغيْر نِمايةٍ ولا انْقِطاعٍ | ١٢ | أَمَدَ |
| قولونه ظنا | 77 | زُجْمَا |
| ما جعل بعضه على بعض | 90 | رَدْمَا |
| أحسن الألوان | ٣١ | خُضر |
| علما ومعرفة | ٦٨ | نجُبْرَ |

| جنّات عدن إسم الجنة, | ٣١ | عَدْنِ | | |
|-----------------------------------|----|---------|--|--|
| يمحضر | ۸٦ | عَيْنِ | | |
| أقوى أعوانا | ٣٤ | نَفَرَا | | |
| ليدوم شربهما فإنه الأصل و بماؤهما | ۳۳ | نَهَرَا | | |
| لطول أمله | ٣٥ | أُبَدَ | | |
| يزيد في عقابه الملائم لعمله | ٤٩ | أُخَلَ | | |
| أرهقه إياه | ٧٣ | عُسْرًا | | |
| سبباً وحُجَّة | ٧٦ | غُذْرًا | | |
| في آخر الكلمة | | | | |
| فرقة | 94 | قَوْمَا | | |
| الكلام | 94 | قَوْلًا | | |
| في الصائتة أو الحركات | | | | |
| كلمة الإستفهام | 19 | گمْ | | |
| حرف ضمير | ۲. | ځم | | |
| كلمة الإستفهام | ۲۸ | مَنْ | | |

| حرف جر | 70 | مِنْ |
|--------|----|---------|
| مسألة | 79 | أُمْرًا |
| عجبا | ٧١ | ٳۿڗؖٵ |

ب.الاقتراحات

تمــت كتابـة هــذا البحــث التكميلـي بعـون الله و توفيقــة و اعترفــت الباحثـة بمـا فيـه مــن نقصـان مـن ناحيـة التحليــل و غـيره, فترجـو مـن القراء الكرام أن يكملوه لأجل النفع الأعظم للجميع.